वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 313 | सोमवार 11 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एसएमएस अस्पताल में मिलेगी बैक्टीरिया फ्री बेडशीट-कपड़े

एशिया की पहली हाईटेक लांड्री शुरू, इसमें गंदे कपड़े धुलने के साथ प्रेस होकर निकलेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में अब मरीजों की बेडशीट से लेकर डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की यूनिफॉर्म पूरी तरह बैक्टीरिया रहित होगी और व्यवस्थित रूप से मिलेगी। इसके लिए अस्पताल में एशिया की पहली ऐसी लांड्री लगाई गई है, जिसमें सिर्फ गंदे कपड़े डाले जाएंगे और वे ना केवल धुलेंगे बल्कि प्रेस होकर निकलेंगे। इसके बाद अस्पताल के मरीजों और स्टाफ को बेडशीट व अन्य यूनिफार्म दी जाएंगी। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने रविवार को एसएमएस अस्पताल में इस मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की आधुनिक मशीन से न केवल काम जल्दी होंगे, बल्कि सुव्यवस्थित और संक्रमण रहित कपड़े मरीजों, स्टाफ को मिलेंगे।

बॉयोमीट्रिक हाजिरी ही होगी

पिछले महीनों में मुख्यमंत्री और सीएस के दौरे के बाद बांगड़ के बाहर शेल्टर बनाए गए हैं। इनमें तीमारदार रुक सकेंगे। एसएमएस के एडिशनल प्रिंसिपल डॉ. राकेश जैन ने बताया कि एसएमएस में सभी डॉक्टर्स और स्टाफ को बॉयोमीट्रिक हाजिरी ही देनी होगी। इसके लिए सभी जगह बॉयोमीट्रिक मशीनें लगा दी गई। सुरक्षा के लिए अस्पताल में एक महीने में 110 सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं और अगले दिनों में 100 कैमरे और लगेंगे। इनसे अस्पताल में सुरक्षा बढ़ेगी।

गंदगी दिखे तो क्यूआर कोड स्कैन कर शिकायत करें

एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने अस्पताल में गंदगी से निपटारे के लिए पहली बार क्यू आर कोड जनरेट किया है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन से लेकर सभी कर्मचारियों के साथ मरीजों-आमजन व अस्पताल आने वाले हर व्यक्ति के लिए क्यूआर कोड जनरेट किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को कहीं गंदगी या पानी भरा हुआ या अन्य परेशानी दिखती है तो उसकी फोटो लेकर इस क्यूआर कोड पर डाल सकते हैं। बने हुए ग्रुप पर यह फोटो जाने के साथ ही मेल आफिस पर इसकी जानकारी दी जाएगी। कॉमन सेंटर से सुपरवाइजर को इसे सही करने के लिए कहा जाएगा। शिकायत के समाधान के बाद सुपरवाइजर को इसकी फोटो डालनी होगी। यदि इसे सही करने में किन्हीं भी तरह की परेशानी आती है तो संबंधित वरिष्ठ अधिकारी को इसकी सूचना दी जाएगी और इसके बाद अगले 24 घंटे में ही इसे सही किया जा सकेगा। वहीं चूहों से निजात के लिए पेस्ट कंट्रोल की अलग से खरीद होगी और उन्हें हर तरीके से खत्म किया जाएगा।

सरकार मरीजों की बेहतरी के लिए कर रही हरसंभव प्रयास

अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि सरकार मरीजों के लिए हरसंभव बेहतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में लांड्री, कैमरे सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल और सीएस सुंधाश पंत के निर्देशों के बाद सफाई के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। क्यू आर कोड जनरेट किया गया है जिससे जिम्मेदारी तय होगी और सफाई व्यवस्था भी बेहतर होगी।

70 कैटेगरीज में 130 बेस्ट अचीवर्स को मिला अवॉर्ड

बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने सुपर वुमन एंड सुपर हीरो अवॉर्ड्स में लिया हिस्सा

जयपुर. कासं

शहर में रविवार को फॉरेवर स्टार इंडिया अवॉर्ड्स की ओर से वुमन डे सेलिब्रेशन थीम पर अवॉर्ड सेरेमनी सुपर वुमन एंड सुपर हीरो अवॉर्ड्स 2024 सीजन 5 का आयोजन किया गया। बीटू बायपास स्थित एंटरटेनमेंट पैराडाइज में हुए इस कार्यक्रम में बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने शिरकत की। इस मौके पर आर्मी ऑफिसर्स, शहर के जाने माने नेता और गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भारत के हर कोने से जयपुर आए 130 बेस्ट अचीवर्स को ट्रॉफी, मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। शो ऑर्गनाइजर राजेश अग्रवाल, डायरेक्टर जया चौहान और शो डायरेक्टर दीप्ति चौधरी ने बताया कि महिला शक्ति के संदेश को देते हुए वुमेंस डे की थीम पर इस सीजन को डिजाइन किया गया है। इस शो का उद्देश्य इस मंच के माध्यम से हर एक अचीवर को ग्लोबल

पहचान उपलब्ध करवाना है। देश के कोने कोने से जयपुर आए टोटल 130 अवॉर्डीज को बिजनेस, फैशन, एजुकेशन, एस्ट्रोलॉजी, डॉक्टर, स्पोर्ट्स, मेडिकल, लाइफस्टाइल, साइंस, नेचर, आर्ट एंड कल्चर, साहित्य, सोशल वर्कर जैसी 70 से अधिक कैटेगरीज में अवॉर्डीज को सम्मानित किया गया है। इस अवॉर्ड शो में जयपुर के अलावा मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, इटानगर, हैदराबाद जैसे शहरों से लोगों ने पार्टिसिपेट किया। शो के दौरान वायलिन प्ले और कैलेंडर लॉन्च जैसी एक्टिविटीज भी देखने को मिली। सेलेब्रिटी गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने अपनी मोटिवेशनल स्पीच से अवॉर्डीज की हौसला अफजाई की और उनके अच्छे भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी। इस कार्यक्रम के दौरान स्पेशल गेस्ट के तौर पर कर्नल प्रताप सिंह राठौड़ और मेजर विजी मौजूद रहे। इवेंट को एंकर अजीत की ओर से होस्ट किया गया।

मन की शान्ति में ही मन की शक्ति निहित हैः तात्पर्यसागरजी महाराज

हनुमानताल जिनमन्दिर की रचना अदभुत आनंद भी आलौकिक हैं: विजय धुर्रा

वर्णीगुरूकुल में विराजमान हैं पच्चीस क्षुल्लक महाराजः प्रतिष्ठाचार्य जिनेश भइया

जवलपुर. शाबाश इंडिया। मन की शान्ति में ही मन की शान्ति निहित है इसलिए मन को संभालने की आवश्यकता है । आप लोग सोचते हैं कि पर्वतों पर या वन में बैठकर ध्यान करने से शांति मिलती है । ये प्रकृति स्थल है यहां के वातावरण में प्रकृति की रस धारा घुली मिली है और आप जव प्रकृति मां की गोदी में जाते हैं तो वह शान्ति मिलती है एक वुड़ी मां ने चक्की पीस पीस कर अपने श्रम से इस तीर्थ का सजृन किया और उस श्रम को संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपनी साधना का केन्द्र बना कर महातीर्थ वना दिया उक्त आश्य केउद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य तात्पर्य सागर जी महाराज ने व्यक्त किए। इसके पहले आज मड़ियाजी भगवान जिनेन्द्र देव के अभिषेक के साथ जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा आर्यिका रत्न श्री अंतर मति माताजी आर्यिका श्री स्वेतमति माताजी के श्री मुख से हुई जिसका सौभाग्य मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर एवं सन्मति जैन कोलारस सहित अन्य भक्तों को मिला इसके बाद ब्रह्मचारी वहनो द्वारा श्री भक्तावर मंडल विधान किया गया।

एक वृद्ध मां के अथक परिश्रम से मंडियां तीर्थ का निर्माण हुआः विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि एक वृद्ध मां के अथक परिश्रम से इस तीर्थ की नींव रखी गई जिसे इस युग के महान साधक परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की तपस्या ने दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलाई पहले विशाल नन्दीश्वर दीप की रचना भी इसी मंडियां जी की तीर्थ भूमि पर हुई यहां का वणीर्गुरूकुल अपनी शैक्षिक संस्थान के कारण समाज में लोकप्रिय हो रहा गुरु कुल अधिष्ठाता आदरणीय जिनेश भइया की श्रम साधना ने इसे नई ऊंचाईयां प्रदान की है ये भारत वर्ष की जैन समाज के लिए गौरव की बात है। इस दौरान गुरुकुल अधिष्ठाता जिनेश भइया ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने इस भूमि को बहुत समय दिया उनकी तपस्या से इस भूमि का कण कण पावन हुआ हमारा सौभाग्य कि गुरु कुल पच्चीस क्षुल्लक जी श्री तत्त्वार्थ सागर तत्व सागर संघ सहित विराजमान हैं। इस दौरान पूज्य श्री तात्पर्य सागर जी महाराज ने कहा कि ज्यादातर दुनिया में जब लोग मन की शांति की बात करते हैं तो उसका मतलब किसी तरह अपने अहंकार को सहज बनाना ही होता है। वे अशांत स्थिति में रहने के बजाय सहज रहना चाहते हैं। लेकिन अपने अहंकार को आरामदायक बनाने की कोशिश करने की प्रक्रिया ही असुविधा की भी पूरी प्रक्रिया है। व्यक्ति जितना अधिक शांतिपूर्ण रहने का प्रयास करता है, वह अपनी शांति खो देता है और अपने रास्ते से भटक जाता है। जो व्यक्ति शांतिपूर्ण रहने का प्रयास कर रहा है वह वास्तव में कभी भी शांतिपूर्ण नहीं होगा। इस प्रक्रिया का ठीक उलटा होगा।

जैन समाज की बालिकाओं ने सामूहिक रूप से जैन साध्वी को आहार दिया: धार्मिक संस्कारों को सीखा

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह । नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान जैन साध्वी आर्यिका विश्रेय श्री माता जी को रविवार को जैन समाज की बालिकाओं ने आहार दिया। धार्मिक क्रिया सीखने के क्रम में विमल जैन भंडारी के मार्गदर्शन में रविवार को मंदिर परिसर में जैन साध्वी की आहार क्रिया संपन्न हुई जिसमें बालिकाओं ने पड़गाहन, नवद्या भक्ति एवं आहारचर्या अनुष्ठान से माहौल को भक्तिमय बना दिया। जैन साध्वी सुबह नौ बजे आहार के लिए निकली थी। उसी दौरान केसरिया एवं श्वेत वस्त्र धारण किए बालिकाएं जैन साध्वी को पड़गाहन के लिए खड़ी दिखी इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। विमल जैन भण्डारी ने बताया कि पहली बार सार्वजनिक तौर पर आहारचर्या अनुष्ठान का आयोजन किया गया था। उन्होंने बताया कि आयोजन में जैन समाज की बालिका राजुल, सिम्मी, रिनी, दीप्ति, वंशिका, सेंकी, मुस्कान, साक्षी, इशिका, सलोनी,आंशी, सहित श्रीमती ऊषा जयकुमार जैन एवं श्रीमती अनीता अरुण जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

।। तीये की बैठक ।।

हमारी पूज्यनीय

सुनीता देवी साह

(पत्नी स्व. श्री प्रभातजी साह)

का स्वर्गवास 10/03/2024 हो गया।
तीये की बैठक 12.03.2024 को दुर्गापुरा जैन मंदिर में प्रातः 9 बजे होगी। ततपश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल

वैद्य सुशील कुमार साह, राजेंद्र के शेखर (जेठ),
शरद -नीलिमा, शैलेन्द्र (चीकू) (पुत्र -पुत्रवधु),
दीपेश, धूपेश (भतीजे), राहुल, यश, चिन्मय, पूर्वेश, निपुण (पौत्र),
जयंती बाला, वीरबाला (ननद), स्वग्रही माओ -पवन (पुत्री दामाद),
निशिभा -मिराज सोगानी, सोनाक्षी -रौनक गंगवाल (पौत्री दामाद),
वागीश, गिनायरा समस्त साह परिवार
पीहरपक्षः- चितरंजन, लीला देवी, विमल चंद, रेणु देवी, सुभाषचंद्र,
अमित समस्त अजमेरा परिवार

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP Kishangarh, Rajasthan www.rkmarble.com | www.wondercement.com — WONDER CEMENT EK PERFECT SHURUAT

सह प्रायोजक: ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक: समाचार जगत

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 16 मार्च 2024

समय : सायं 7.00 बजे से

:: स्थान ::

भट्टारक जी की नशियां,
नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री सुरेन्द्र यादवेन्द्र (बारां)
(ठहाका सम्राट)

श्री संजय झाला (जयपुर) (हास्य कवि) • श्री अशोक चारण (केकड़ी) (वीररस कवि) • (कवयित्री) • श्री दीपक पारीक (भीलवाड़ा) (हास्य कवि) • श्री प्रहलाद चांडक (जयपुर) (ओजस्वी गीतकार)

श्री अशोक भाटी (उज्जैन)
(संचालक व हास्य कवि)

आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक

विशाल रक्तदान शिविर

रक्तदान जीवन दान

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये।
चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

भगवान महावीर की 2622 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत **मानव सेवार्थ 2550 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य** के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से लगभग **50 स्थानों पर रक्तदान शिविर** आयोजित किये जायेंगे।

48 मण्डलों पर 48 दीपकों से भक्तामर अनुष्ठान

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

तृतीय जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2024

रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग करने वाली संस्थाओं का सम्मान

शनिवार, 20 अप्रैल 2024
समय : सायं 7.00 बजे से

स्थान : छतरी वाला भाग,
भट्टारक जी की नशियां, जयपुर

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
श्रीमान् अशोक जी पाटनी
श्रीमती सुशीला जी पाटनी
आर. के. मार्बल ग्रुप

समारोह गौरव
श्रीमान् नन्द किशोर जी पहाड़िया
श्रीमान् प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

समारोह गौरव
श्रीमती त्रिशला जी (धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा)
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा, श्रीमान् निशान्त जी गोधा
दैनिक समाचार जगत

मुख्य अतिथि
श्रीमान् सुनील जी जैन (सी.ए.)
प्रमुख समाज सेवी

अध्यक्षता
श्रीमान् सुरेन्द्र जी जैन पाण्ड्या
कार्याध्यक्ष : दि.जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री : भा. दि.जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी
अध्यक्ष : वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि
रोटेरियन श्रीमान् सुधीर जैन गोधा
संस्थापक अध्यक्ष : धर्म जागृति संस्थान

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् निर्मल जी सौगानी
सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् आशीष-निधी बाकलीवाल
प्रमुख समाज सेवी (दिल्ली)

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थकर पिंक पर्ल, वात्सल्य, सॅगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी, प्रज्ञा (निवाई)

ग्रुप संयोजक :: धनु कुमार जैन, श्रीमती सुशीला बड़जात्या, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील बड़जात्या, राजेन्द्र सेठी, अनिल पाटनी, रवि सेठी ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती अनिल टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

मनीष-शोभना लोंग्या अध्यक्ष	राकेश-समता गोदिका संस्थापक अध्यक्ष	सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक	दर्शन-विनिता जैन संरक्षक	विनोद-शशि तिजारिया संरक्षक	राजेश-जैना गंगवाल संरक्षक	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	राजेश-रानी पाटनी सचिव
संजय-ज्योति छाबड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संघी वरिष्ठ उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	विनोद-हेमा सोगानी उपाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी उपाध्यक्ष	सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव	
अनिल-अनिता जैन संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव	दिलीप-प्रमिला जैन कोषाध्यक्ष		

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ❋ डॉ अनुपम-विनीता जैन ❋ मितेश-मीनू पाण्ड्या ❋ सपन-रजनी छाबड़ा ❋ पंकज-नीना जैन

विशेष आमंत्रित : अनिल-प्रेमा रांवका, अशोक-अर्चना पाटनी ❋ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नवीन संन जैन परामर्शक	यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	सुनिल बज कार्याध्यक्ष	सुरेश जैन बांदीकुई कार्याध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

आयोजन समिति

दर्शन बाकलीवाल मुख्य समन्वयक	राकेश गोदिका मुख्य समन्वयक			
सुरेन्द्र पाण्ड्या परामर्शक	राजेश गंगवाल परामर्शक	विनोद तिजारिया परामर्शक	दिनेश गंगवाल परामर्शक	
संजय छाबड़ा समन्वयक	राकेश संघी समन्वयक	अनिल संघी समन्वयक	चक्रेश जैन समन्वयक	अनिल रावंका समन्वयक
राजेश छाबड़ा समन्वयक	राजीव जैन समन्वयक	कमल ठोलिया सह-समन्वयक	प्रदीप जैन बाकलीवाल सह-समन्वयक	अनिल जैन चौधरी सह-समन्वयक
मितेश पाण्ड्या संयोजक	सपन छाबड़ा संयोजक	सुधीर गोधा संयोजक		

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380
9414073035 9785074581
9829594488, 9414041225

वेद ज्ञान

जीवन में जरूरी है जिज्ञासा

किसी समस्या के कारणों को समझने और उसके समाधान के लिए मनुष्य की मानसिक ऊर्जा का सक्रिय होना ही जिज्ञासा है। मनुष्य की जिज्ञासा कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी जिज्ञासा समाप्त हो जाएगी, तो उसके जीवन में भी ठहराव आ जाएगा। जिज्ञासा मनुष्य के विकास की जड़ों को मजबूत करती है। जिज्ञासा न केवल दुखों से पीड़ित मनुष्य को झकझोर कर रख देती है, बल्कि कई बार हर तरह से सुखी-संपन्न व्यक्ति के मन में भी उथल-पुथल मचा देती है। राजकुमार सिद्धार्थ के मन में जब जीवन के सत्य को जानने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब उन्होंने राजमहल के वैभव-विलास को त्यागने में एक पल भी नहीं लगाया। जिज्ञासा एक ऐसी अग्नि है, जिसमें तपकर मनुष्य का हृदय पवित्र बन जाता है। एक बार स्वामी विवेकानंद की मां बहुत बीमार पड़ गईं, तब उनके दिमाग में यह बात आयी कि अगर उनके पास पैसे होते, तब वे अपनी मां के लिए दवा और खाना ला सकते थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के पास गए और उनसे कहा कि अगर मेरे पास कोई नौकरी होती, तो आज मैं अपनी मां का ध्यान रख सकता था, लेकिन इस आध्यात्मिकता से मुझे क्या फायदा हुआ? इसके जवाब में रामकृष्ण परमहंस ने उनसे कहा था कि अगर तुम्हें अपनी मां के लिए दवा और भोजन की जरूरत है, तो वह तुम काली मां से क्यों नहीं मांग लेते। यह सुनकर विवेकानंद मंदिर की ओर चले गए। जब वह वापस आए, तो रामकृष्ण ने पूछा कि क्या तुमने काली मां से भोजन, पैसा और बाकी चीजें मांगीं? विवेकानंद ने जवाब दिया कि नहीं, मैं भूल गया। इस पर रामकृष्ण बोले कि अगर आज तुमने मंदिर में कुछ मांग लिया होता, तो यह तुम्हारे और मेरे रिश्ते का आखिरी दिन होता। क्योंकि कुछ मांगने वाला अज्ञानी यह नहीं जानता कि जीवन क्या है। मांगने वाला अज्ञानी जीवन के मूल सिद्धांतों को नहीं समझता। असल में, सत्य को जानने के लिए मात्र प्रश्न या तर्क करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन प्रश्नों को परास्त करने की शक्ति ही जिज्ञासु की श्रद्धा है। जीवन के सत्य को जानने के लिए कोई विशेष तपस्या करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि व्यक्ति को सभी पूर्वाग्रहों का त्याग और अपनी जिज्ञासा को उत्पन्न करके अपने आपसे से जुड़ने की जरूरत होती है। जब व्यक्ति अपने आपसे जुड़ जाता है, तो उसकी अंतर्दृष्टि पूरी तरह बदल जाती है।

संपादकीय

शाकाहारी थाली सात फीसद तक महंगी

कुछ समय पहले हरी सब्जियों की कीमतों में आई नरमी की वजह से महंगाई से उपजी परेशानी से जो राहत दिखने लगी थी, अब वह फिर से सिर उठाने लगी है। बाजार में खुदरा वस्तुओं के दाम में तेजी ने कई लोगों की थाली पर असर डालना शुरू कर दिया है। यों खाने-पीने के सामान की कीमतों में आई उछाल ने बीते महीने ही लोगों को आने वाले दिनों के संकेत दे दिए थे। ''क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस'' की ताजा रपट

के मुताबिक महंगाई की मार का ज्यादा असर शाकाहारी थाली पर पड़ा है। खासकर प्याज और टमाटर के दाम में सालाना आधार पर क्रमशः 29 फीसद और 38 फीसद की बढ़ोतरी हो गई। इसकी वजह से शाकाहारी थाली सात फीसद तक महंगी हो गई। स्वाभाविक ही कीमतों में इस बढ़ोतरी ने लोगों में इनके उपयोग को लेकर हिचक पैदा की है। चूंकि भोजन में प्याज और टमाटर की खासी भूमिका रहती है, इसलिए मांसाहारी थाली पर भी इसका असर पड़ा है। हालांकि इस अवधि के दौरान मांसाहारी भोजन में कुछ कमी दर्ज की गई। दरअसल, आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें ऊंची होती हैं तो लोग उनकी खरीदारी को लेकर कई बार प्राथमिकता का निर्धारण करने लगते हैं। कम जरूरी चीजों की खरीदारी बाद के लिए टाल दी जाती है, मगर खाने-पीने सहित कुछ अनिवार्य चीजों की कीमतें कई बार घर के बजट को असंतुलित कर देती हैं। आमतौर पर शाकाहार के अभ्यस्त लोगों के खानपान में प्याज-टमाटर एक जरूरी हिस्सा होता है, जो उनकी थाली की सब्जियों में स्वाद भरता है। मगर इनके साथ-साथ अब अन्य हरी सब्जियों के दाम ने भी शाकाहार के सामने चुनौती पेश की है। यों ठंड के मौसम में आमतौर पर हरी सब्जियों का उत्पादन और आपूर्ति ठीकठाक होने की वजह से बाजार में उसकी कीमतें भी काफी नरम रहती हैं। मगर इस वर्ष लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम जिस स्तर पर स्थिर रहे, उसे इनका सस्ता होना नहीं कहा जा सकता। अगर खासी तादाद में लोग सब्जी खरीदते हुए हाथ खींचने लगते हैं, तब इसका मतलब है कि बाजार में कीमतों को लेकर सरकार को जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

परिदृश्य

एक उपयोगी योजना

यह अच्छा हुआ कि भारत सरकार धान की जगह दालें, मक्का और कपास उगाने वाले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर उनकी पूरी उपज खरीदने की योजना लागू करने जा रही है। यह वही योजना है, जिसका प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रियों ने पंजाब के किसान संगठनों को तब दिया था, जब वे अपनी मांगों पर जोर देने के लिए दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे थे। उस समय पहले तो किसान नेताओं ने यह कहा कि वे इस पर अन्य कृषक नेताओं और कृषि विशेषज्ञों से विस्तार से विचार करेंगे, लेकिन फिर यकायक उन्होंने उसे ठुकरा दिया। ऐसा करके उन्होंने एक अवसर गंवाने का ही काम किया। यह उचित ही है कि पंजाब के किसान संगठनों की बेरुखी के बावजूद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यह स्पष्ट किया कि इस योजना को अगले सीजन से देश भर में लागू किया जाएगा। ऐसा करने की आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि एक तो पंजाब के किसान संगठन देश के सभी किसानों का प्रतिनिधित्व नहीं करते और दूसरे, यदि कोई उपयोगी योजना किसी राज्य विशेष के किसानों को रास नहीं आ रही तो इसका यह अर्थ नहीं कि उससे शेष देश के किसानों को भी वंचित रखा जाए। बेहतर होता कि पंजाब के किसान संगठन इस योजना पर सकारात्मक रवैये का परिचय देते। पंजाब देश के उन राज्यों में शीर्ष पर है, जहां जरूरत से ज्यादा धान पैदा किया जा रहा है। धान उगाने में पानी की कहीं अधिक खपत होती है। पंजाब के किसान इससे भली तरह अवगत हैं कि भूजल के अत्यधिक दोहन से उसका स्तर नीचे जा रहा है, लेकिन वे पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने को तैयार नहीं। यह रवैया तब है, जब पंजाब के कुछ इलाकों में भूजल स्तर कहीं अधिक नीचे चले जाने से खेती की जमीन के बंजर होने का खतरा पैदा हो गया है। इस खतरे की अनदेखी का कोई औचित्य नहीं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा ही किया जा रहा है। देश के किसी भी हिस्से के किसान हों, यह ठीक नहीं कि वे उन फसलों को उगाने की जिद पकड़े रहें, जिनकी मांग कम है और जिनमें पानी की भी कहीं अधिक खपत होती है। मक्का और कपास के साथ मसूर, उड़द एवं अरहर की खेती में केवल कम पानी का इस्तेमाल ही नहीं होता, बल्कि उनकी मांग भी अधिक है। यह एक तथ्य है कि देश को दालों का आयात करना पड़ता है, जिसमें अच्छी-खासी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। दलहन जैसी स्थिति तिलहन की भी है। निःसंदेह एक समय था, जब गेंहू, धान की खेती को प्राथमिकता देना आवश्यक था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और समझदारी बदलते वक्त के साथ कदम मिलाने में ही है। केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को चाहिए कि वे अपनी योजनाओं के जरिये किसानों को वही फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित करें, जिनकी मांग अधिक है और जो पर्यावरण के अनुकूल भी हैं।

महावीर इंटरनेशनल 'युवा' ब्यावर केंद्र द्वारा विभिन्न सेवा कार्य किये

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्यों की श्रृंखला में महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के तत्वाधान में रविवार दिनांक 10 मार्च 2024 सेवा कार्य आयोजित किए गए।

बेबी किट वितरण

स्वस्थ माँ व स्वस्थ शिशु वात्सल्य अभियान के अंतर्गत राजकीय अमृत कौर चिकित्सालय, चाइल्ड वार्ड (मातृ एवं शिशु वार्ड) में प्रातः 9:30 बजे 80 बेबी किट एवं बिस्किट *का वितरण किया गया। राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय से डॉक्टर आशा देवड़ा, सुमित्रा जी, वंदना जी, विनीत मैसी ने भी कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। नवजात शिशुओं को प्रारम्भिक संक्रमण से बचाव हेतु बेबी किट का निःशुल्क वितरण संस्था द्वारा समय-समय पर किया जाता है।

अन्नदान कार्यक्रम

श्री महावीर अन्न क्षेत्र, सुभाष बाग ब्यावर में प्रातः 11:15 बजे गरीबों एवं अहसाय व्यक्तियों के लिए अन्नक्षेत्र में भोजन व्यवस्था की गई। महावीर

इंटरनेशनल के वीर युवा साथियों ने भोजन व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के पुण्यार्जक महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के चेयरमैन के वीर अमित बंसल थे। बेबी किट एवं अन्नक्षेत्र कार्यक्रम में वीर राजेश मुरारका, वीर सत्यकाम दाधीच, वीर राजकुमार गोयल, वीर विकास बंसल, वीर विष्णु सिंघल, वीर विजय राज जैन, वीर शैलेंद्र गुप्ता, वीर पुलकित सिंघल, वीर सुनील सिंघल, वीर सुशील शर्मा, वीर अनुपम रूनीवाल, वीर योगेश बंसल सर्राफ, वीर राजेश मंत्री, वीर निखिल जिंदल, वीर अनुज सिंघल, वीर अमित बंसल, वीर विजयराज जैन रोशन बादशाह आदि सदस्य उपस्थित थे।

डा ममता जैन हुई महिला दिवस पर सम्मानित

मुंबई. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वडाला समाज मुंबई की ओर से परम पूज्य आचार्य पुष्पदंत सागर जी एवं आचार्य डॉ प्रणाम सागर जी महाराज के सान्निध्य में भारत के विभिन्न राज्यों से सामाजिक साहित्यिक वैज्ञानिक धार्मिक क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त 48 महिलाओं को London book of world records की ओर से सम्मानित किया गया जिसमें पुणे से साहित्य और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. ममता जैन पुणे को साहित्य वाचस्पति समाज रत्न-2024 से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही डॉ ममता जैन को उनकी काव्य प्रतिभा के लिए शब्द प्रतिभा फाउंडेशन नेपाल की ओर से ''महिला शक्ति काव्य रत्न पुरस्कार'' भी प्रदान किया गया। पुणे के समस्त साहित्यिक सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र की संस्थाओं के प्रमुख अधिकारियों द्वारा डॉ. ममता जैन को बहुत शुभकामनाएं प्रदान की गई।

राज्य का तीसरा और शहर का पहला नि:शुल्क उदयपुर हेल्थ फेस्टिवल संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जस्ट हेल्थ एण्ड वेलनेस प्रा.लि. की ओर से जयपुर में आयोजित दो हेल्थ फेस्टिवल की सफलता के बाद राजस्थान में तीसरा ओर उदयपुर में प्रथम हेल्थ फेस्टिवल सोभागपुरा सौ फीट स्थित अशोका ग्रीन में सम्पन्न हुआ। इसमें शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सभी विषय विशेषज्ञों ने इस चर्चा में लोगों से समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच एवं अपना इलाज करने की सलाह दी गई। बता दें, हेल्थ फेस्टिवल में केयर हेल्थ इंश्योरेंस का पूर्ण सहयोग रहा। जेएसडब्ल्यू के फाउंडर हिम्मत सिंह ने बताया कि फेस्टिवल में पूरे भारत से आए सौ से अधिक डॉक्टर्स ने आमजन संग स्वास्थ्य चर्चा भी की। जिसमें दिल से दिमाग तक, महिला स्वास्थ्य, पावर हीलिंग, अस्पताल और बीमा के बीच तालमेल, वैकल्पिक चिकित्सा और कैंसर जागरूकता जैसे विषय चर्चा का केंद्र बने। फेस्टिवल में भाग लेने वालों में प्रमुख रूप से नाथद्वारा विधायक विश्वेंद्र सिंह मेवाड़, भारत 24 चैनल के सीईओ और एमडी डाक्टर जगदीशचंद्र कातिल, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री मुग्धा गोडसे, पार्श्वगायक रवींद्र उपाध्याय के अलावा देश के 15 से अधिक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल से आए डॉ. शैलेश पाटीदार, डॉ. विराज लाविंगिया, डॉ. देवेन्द्र जैन, डॉ. भर्तृ भूषण यादव, डॉ. मनन सरूपरिया, डॉ. रौनक, डॉ. श्याम, डॉ. राहुल नाथानी, सत्यजीत दीक्षित, डॉ. महेश जैन, डॉ. रौनक शाह, डॉ. पवन सिंघल, डॉ. तरूण, डीआर खुशबू अरोरा, डॉ. जफर खान, डॉ दीपक शर्मा, डॉ हिम्मत सिंह, डॉ. आशीष सेठ, डॉ गौरव जैन, डॉ. महिमा जैन, डॉ.तरूणा जंभ, डॉ मनीषा बाजपेयी, डॉ. रितु बनावत, डॉ.मोनिका शर्मा, डॉ. अर्चना, डॉ.बबीता रशीद, डॉ. विनीता एवं डॉ. आनंद गुप्ता ने भी विचार रखे। बाद में विधायक विश्वेंद्र सिंह मेवाड ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि इसके प्रति बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। समय-समय पर इस संबंध में जांच करवाते रहना चाहिये। शारीरिक स्वास्थ्य में आप कोई सी भी दवा ले चाहे आयुर्वेदिक हो या एलोपैथिक हो सभी का अपना अलग महत्व है। जस्ट हेल्थ एंड वेलनेस के सह संस्थापक भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क परामर्श और निःशुल्क जांच की सुविधा प्रदान की गई जिसका 1000 से ज्यादा लोगों ने लाभ लिया। इस अवसर पर योग डेमो, होला हूप, होम्योपैथी सत्र जैसी कई अन्य स्वास्थ्य गतिविधियां भी आयोजित की गई। **रिपोर्ट/फोटो: योवंतराज माहेश्वरी**

108 जैन श्रद्धालुओं ने दिया दिगम्बर जैन मुनिराज को आहार, उत्साहित दिखी भीड़

पटना. शाबाश इंडिया। हे स्वामी नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु... से सैंकड़ों की संख्या में मौजूद जैन श्रद्धालु जयघोष कर रहे थे। यह अलौकिक दृश्य तब देखा गया जब रविवार को एक दिगम्बर जैन मुनिराज कदमकुआँ कांग्रेस मैदान स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से भगवान के दर्शन कर आहार के लिये नियम मुद्रा धारण कर श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे। उत्साहित पुरुष, महिलायें, युवा, बच्चे सभी 108 श्रद्धालुओं की भीड़ जैन आचार्य ध्यान दिवाकर श्री 108 जयकीर्ति जी महाराज को आहार ग्रहण करने के लिये निवेदन पूर्वक आग्रह (पड़गाहन) कर रहे थे। फिर पूज्य गुरुदेव को जब विधि मिल गई तो श्रद्धालुओं ने परिक्रमा लगाया और भक्ति-भाव पूर्वक जैन संत की आहारचर्या सानंद सम्पन्न कराया। बता दें कि कांग्रेस मैदान पार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में 10 दिवसीय श्री जैन रामायण कथा महोत्सव का आयोजन चल रहा है। जिसको लेकर विशिष्ट राम कथाकार अनुष्ठान विशेषज्ञ परम पूज्य ध्यान दिवाकर मुनि प्रवर 108 श्री जयकीर्ति जी महाराज पटना प्रवास पर हैं। जैन आचार्य के पावन सानिध्य में इन दिनों विशेष तौर पर जिनालाय में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है।

मेवाड़ की फैशन प्रतिभाओं को मिलेगा अनूठा मंच

नन्हें- मुन्नों सहित बड़े हुनरमंद दिखाएंगे जलवा आइकॉन इंडिया-2024 में

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शाइनिंग ब्यूटी आईकॉन की ओर से आगामी 28 और 29 मार्च को डाकन कोटडा रोड स्थित राम्या रिसोर्ट में किड्स, मिस्टर, मिस एवं मिसेज आइकॉन इंडिया-2024 का इंटरनेशनल कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें बॉलीवुड कलाकार एवं सेलिब्रिटी भी शिरकत करेंगे। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में क्वीन ऑफ इंडिया की ट्रॉफी जीत चुकी एवं शाइनिंग ब्यूटी आईकॉन कंपनी की निदेशक डॉ.भाग्यश्री सांखला एवं उनके पति डॉ. अभिजीत सांखला ने बताया कि आयोजन में बॉलीवुड सेलिब्रिटी हेराफेरी, हंगामा की रिमी सेन, स्टार प्लस कलाकार कबीर सिंह एवं इन्टरनेशनल ग्लूमर सार्थक चौधरी भाग लेंगे। कार्यक्रम में 28 मार्च को ग्रूमिंग सेशन जबकि 29 मार्च को टैलेंट सेशन सहित ग्रैंड फिनाले होगा। इस आयोजन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए प्रतिभागी 8619565017 पर सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में जो भी विजेता रहेंगे उन्हें वेब सीरीज, टीवी सीरियल्स आदि में काम करने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इसके बाद विनर के अलग-अलग ऑडिशंस भी होंगे जिनके आधार पर उनका चयन होगा। उदयपुर में इस तरह का इंटरनेशनल कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसी प्रतियोगिताओं से उदयपुर सहित मेवाड़ अछूता रहा है। यहां पर ऐसी कई छुपी प्रतिभाएं हैं जो अपना टैलेंट सामने लाने के लिए किसी प्लेटफार्म के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाती है। डॉ.भाग्यश्री ने बताया कि कुछ समय पूर्व वह अपने पति डॉ.अभिजीत एवं अर्जुन सोनल ऐसे ही किसी शो को देखने के लिए गए थे। उससे प्रभावित होकर वहीं से उनका विचार बना कि हमें भी इस तरह के शो आयोजित करके यहां की प्रतिभाओं को उपयुक्त मंच प्रदान करना चाहिए। **-रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ के जयपुर प्रवेश पर प्रताप नगर सेक्टर 8 में हुआ भव्य स्वागत

प्रताप नगर व्यापार मंडल ने की पुष्प वर्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के दक्षिणी प्रवेश द्वार स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 में रविवार को प्रातः भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का आगमन हुआ, मंदिर समिति के मंत्री महेंद्र जैन पचाला के अनुसार गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में निर्मित हो रहे भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ की प्रभावना के उद्देश्य से देश भर में भ्रमण करने वाले प्रभावना रथ का जयपुर आगमन प्रताप नगर सेक्टर 8 से हुआ, इस अवसर पर प्रताप नगर में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक जिनेन्द्र

गंगवाल ने बताया अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ शोभायात्रा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 से प्रारंभ हो के भामाशाह मार्ग मुख्य बाजार सहित विभिन्न मार्गो से होते हुए धर्म सभा स्थल मां विशुद्ध संत भवन तक पहुंची। शोभायात्रा में धर्म जागृति महिला मंडल, विशुद्धवर्धिनी बहुकला मण्डल, श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन युवा मण्डल, श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल कि सदस्यों सहित समाज के सैकड़ों धर्मावलंभियो ने सहभागिता निभाई। समिति के प्रचार मंत्री बाबू लाल जैन ईटून्दा के अनुसार प्रभावना रथ में सोधर्म इंद्र के रूप में श्री जिनेन्द्र, कविंद्र सोगानी विराजित हुए वही रामविलास, वैभव को कुबेर इंद्र बन रत्नवृष्टि का सौभाग्य मिला, प्रभावना रथ में स्थापित चेत्यालय की आरती का सौभाग्य अशोक मोदी को मिला, धर्म जागृति महिला मंडल ने भगवान का पालना झुलाने का अवसर प्राप्त किया। शोभायात्रा व्यवस्था को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन युवा मण्डल ने व्यवस्थित किया। **बाबू लाल जैन ईटून्दा: प्रचार मंत्री**

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रावतसर का पीएमश्री योजना में चयन

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। भारत में पीएम श्री (स्कूल ऑफ राइजिंग इंडिया) स्कूल की एक नई पहल हैं। जिसका लक्ष्य देश में शिक्षा प्रणाली को बदलना है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित है जिसके तहत देश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। पीएमश्री विद्यालय भारत की विशिष्ट स्वदेशी प्रथाओं के साथ दुनिया भर की सर्वोत्तम प्रथाओं को जोड़ती है। पीएमश्री स्कूल अपने छात्राओं को समग्र विकास प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, कुल मिलाकर अकादमिक उत्कृष्टता, जीवन कौशल और चरित्र निर्माण पर जोर दिया गया है। पीएमश्री योजना का प्रमुख उद्देश्य स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढावा देना है और ऐसे कई तरिके हैं जिससे डिजिटल लर्निंग भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सकती है। पीएमश्री स्कूलों में सभी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम डिजिटल बोर्ड सहित, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त विज्ञान प्रयोगशाला, डिजिटल लाइब्रेरी, हरित विद्यालय, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त खेल मैदान आदि का विकास कर ब्लॉक के मॉडल विद्यालय के रुप में स्थापित किया जायेगा।

श्री भीम काकरवाल

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

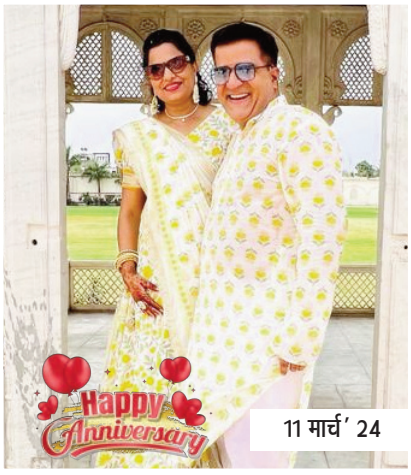

को 23वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अशोक जैन, गोपी अग्रवाल, हनुमान सोनी,
कैलाश, समस्त गौ माता सेवार्थ ग्रुप

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर मनाया मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) के तत्वावधान में परम पूज्या श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में फाल्गुन कृष्ण बारस के दिन श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रभुभक्त महेश मोटूका वाले निवाई एवं आकांशु जैन बापूनगर जयपुर वालों ने प्रभु की आम शांतिधारा एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात भक्तों ने झूम-नाच कर भक्ति के साथ अष्ट द्रव्य मय अर्घ्य समर्पित किए। गुरुभक्त शिमला मोटूका, पारस जी चैनपुरा वाले, मणि जी किशनगढ़, हेमलता जी जयपुर एवं व्रती आश्रम के व्रतियों ने गुरुमाँ की पारणा व आहारचर्या निर्विघ्न सम्पन्न कराकर अक्षय पुण्य का संचय किया। स्नेहलता जी बापू नगर वालों ने पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजी ने सभी को सदुपदेश देते हुए कहा कि भगवान को मंदिर से ज्यादा मनुष्य का हृदय पसंद है क्योंकि मंदिर में इंसान की चलती है और हृदय में भगवान की। आज सभी मंदिर तो जाते है सिर्फ तन से। मन उनका मंदिर के बाहर ही भटकता रहता है। परमात्मा को तो सभी मानते है पर परमात्मा की कोई नहीं मानता।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

मछलियां भी खुश हो गयी यह जानकर आदमी भी आदमी को जाल में फंसाने लगा है..!

कुन्द कुन्द स्वामी ने कहा है कि अप्पा सो परमप्पा-हर आत्मा परमात्मा बन सकती है। इसलिए किसी को बेचारा मत कहो। यह प्रभु का अपमान है, यह जगन्नाथ और पार्श्वनाथ का देश है। इस जगन्नाथ और रघुनाथ के देश में कोई भी बेचारा और अनाथ नहीं है। यहाँ सभी नाथ और जगन्नाथ है। यहाँ सभी नाथ है, क्योंकि सभी प्रभु के साथ है। पारसनाथ के बीच में कोई बेचारा और अनाथ नहीं है। राम और हनुमान के देश में कोई भी बेचारा और अनाथ नहीं है। यहाँ सभी नाथ और पारसनाथ है। अध्यात्म जगत में आर्थिक स्तर पर ना तो कोई छोटा है, और ना ही कोई बड़ा है। भगवान महावीर ने कहा -- सभी आत्माएं समान है, सभी आत्मा एक जैसी है, जो मेरे भीतर है, वही तुम्हारे भीतर है। जो सन्त में मौजूद है, वही संसारी में मौजूद है। बस फर्क केवल अभिव्यक्ति का है। संत की पवित्र शक्तियां अभिव्यक्त हो चली है, तो संसारी में यह शक्तियां अभी भी सोई हुई पड़ी है। दीयों में फर्क है, ज्योति में कोई फर्क नहीं है। ज्योति सब दीयो में एक जैसी होती है। हिंदू, मुसलमान, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई, सब दीये हैं। दीये का आकार प्रकार अलग-अलग संभव है। मगर ज्योति में फर्क डालना नामुमकिन है। जो पिंड में है वही धाम ब्रह्माण्ड में है। इसीलिए कभी किसी का अपमान मत करो...! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

पक्षियों की सहायता हेतु परिंडा महोत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय द्वारा सेंट्रल पार्क, सी स्कीम, जयपुर में प्यासे पक्षियों की सहायता हेतु परिंडा महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रमोद जैन भँवर समाजसेवी एवं संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा के संयोजन में हुआ। मुख्य अतिथि जितेंद्र श्रीमाली अध्यक्ष भवन निर्माण समिति नगर निगम ग्रेटर रहे जिसमें गणमान्य व्यक्ति हेमंत, बाबूलाल सैनी, दिनेश, लालाराम मीणा एवं पक्षी चिकित्सालय के मंत्री महोदय सहित रितु लोचन समाजसेविका श्रीमती मनीषा जैन, सुश्री सौम्यता आदि उपस्थित रहे।

तीये की बैठक

अत्यंत दु:ख के साथ सुचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय

श्रीमति सुनीता देवी साह

(धर्म पत्नी स्व. श्री प्रभात जी साह)

का स्वर्गवास दिनांक 10/03/2024 हो गया। तीये की बैठक दिनांक 12 मार्च को दुर्गापुरा जैन मंदिर में प्रात: 9 बजे रखी गई है। तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल : वैद्य सुशील कुमार साह, राजेंद्र के शेखर (जेठ) शरद नीलिमा, शैलेन्द्र (चीकू), पुत्र पुत्रवधु दीपेश, धूपेश (भतीजे), राहुल, यश, चिन्मय, पूर्वेश, निपुण पौत्र जयंती बाला, वीरबाला (ननद) स्वग्रही माओ -पवन जैन (पुत्री दामाद) निशिभा-मिराज सोगानी, सोनाक्षी -रौनक गंगवाल (पोत्री दामाद) वागीश, गिनायरा एवम समस्त साह परिवार।

पीहर पक्ष : चितरंजन, लीला देवी, विमल चंद, रेणु देवी, सुभाषचंद्र, अमित एवम समस्त अजमेरा परिवार।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स का 10 मार्च को भोपाल में त्रिवार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

एन के पारीक जयपुर राष्ट्रीय महासचिव व ए के नागर दिल्ली अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आल इंडिया सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफि सर्स फेडरेशन (एआईसीबीआरओएफ) के सदस्यों का तृतीय त्रि वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन समन्वय भवन, न्यू मार्केट, भोपाल में रविवार को आयोजित किया गया । अधिवेशन के स्वागत संयोजक डी एस भदौरिया ने बताया की सभा में राजस्थान, कलकत्ता, मुम्बई, चेन्नई , हैदराबाद, गुजरात, बिहार, लखनऊ, आगरा, दिल्ली, कर्नाटक सहित 19 यूनिट से आये तीन सो प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अधिवेशन का उद्घाटन कार्यरत अधिकारियों के संगठन **AICBOF** के महासचिव मनोज वडनेरकर द्वारा किया गया। अधिवेशन में शीर्ष संगठन **AIBPRC** के राष्ट्रीय अध्यक्ष के वी आचार्य ने संबोधित करते हुए बैंकिंग क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में सदन को बताया तथा पेंशन अपडेशन के मुद्दे पर कहा कि रिजर्व बैंक के अधिकारियों की पेंशन अपडेसन के आधार पर ही अन्य बैंको के अधिकारियों की पेंशन भी अपडेशन होनी चाहिए जो की पेंशन नियमों के अनुसार है। आचार्य ने यह भी मुद्दा उठाया की सेवानिवृत अधिकारियों के लिए मेडिकल बीमा के प्रीमियम की राशि का भुगतान सम्बंधित बैंको द्वारा ही किया जाना चाहिए। **AIBPRC** के महा सचिव सुप्रीतकसरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि बैंको के पास पेंशन अपडेसन की राशि के भुगतान हेतु पर्याप्त निधि उपलब्ध है ।सुप्रीतकसरकार ने सेवानिवृत अधिकारियों के लिए नाम मात्र की अनुग्रह राशि दिये जाने को पेंशन अपडेसन की मुख्य माँग से ध्यान हटाने की एक सोची समझी चाल बताया। मुख्य वक्ता सेंट्रल बैंक के स्थानीय क्षेत्रीय प्रधान बी आर रामकृष्णा नाइक ने सेंट्रल बैंक द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में की जा रही उत्तरोत्तर प्रगति के बारे में बताया। सभा मे अन्य अतिथि विवेक पाण्डे, अनिल ठाकुर, अभिषेक नंदा की उपस्थित रही। अधिवेशन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष ए के नागर द्वारा की गई उन्होंने बताया कि फेडरेसन के अधिवेशन का आयोजन अत्यंत सफल रहा है । सभा का संचालन वाई एस कुमार ने किया तथा समापन डी एस लहाने के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। बिजनेस सत्र में फेडरेसन के रास्ट्रीय महासचिव एन के पारीक ने सदन में लेखा प्रतिवेदन रखा जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मत से स्वीकृति प्रदान की। तत्पश्चात सदन द्वारा अगले कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया।

स्व.कपूरचंद जैन की स्मृति में नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना, अम्बाह। नगर के सुप्रसिद्ध श्री टेकचंद जैन स्कूल में 21वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। अंबाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन (जिला उपाध्यक्ष भाजपा) ने जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य पिताजी स्व. एडवोकेट श्री कपूर चंद जैन की स्मृति में डॉ. भसीन द्वारा स्थापित रतन ज्योती चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट ग्वालियर के सहयोग से 21वां निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन परीक्षण शिविर का आयोजन 10मार्च रविवार को किया गया ।शिविर में मोतियाबिंद ऑपरेशन परीक्षण के लिए 472 मरीजों ने नामांकन कराया, चिकित्सीय परीक्षण के पश्चात जिसमें 178 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए अम्बाह से बस द्वारा ग्वालियर ले जाया गया। जिससे मरीज के लिए आना जाना खाना दवाइयां एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन आदि निशुल्क रहेगा ।शिविर में टेकचंद जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के समस्त स्टाफ एवं एन सी.सी कैडेट तथा एन एस एस के स्वयं सेवकों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया ।शिविर में जिनेश जैन, महेंद्र कुमार जैन, अंशुल जैन, श्री टेकचंद जैन स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य आलोक प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार जैन, विजय जैन, अश्विनी गुप्ता, उपदेश सिंह तोमर, कुलदीप भटनागर, अंगद सिंह सिसौदिया, संजीव कुमार श्रीवास्तव, दिलीप वर्मा, साकेत जैन एवं विधालयीन चतुर्थ श्रेणी स्टाफ आदि का विशेष सहयोग रहा।

खण्डेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ के द्वारा 246 यूनिट रक्त एकत्र किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय खण्डेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ द्वारा रविवार को जनता कॉलोनी जनउपयोगी भवन और दुगार्पुरा क्षेत्र द्वारा CK बिरला हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के महामंत्री योगेंद्र लाभी ने बताया की दोनो क्षेत्रों द्वारा 246 यूनिट्स का संग्रह किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक, अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का सहयोग मिला।

गुरूदेव जैन दिवाकर चौथमलजी म .सा .बड़े महान, जिनशासन की बढ़ाई खूब शान

पूज्य रविन्द्रमुनिजी नीरज म.सा. के सानिध्य में दिवाकर धाम में मनाई दीक्षा जयंति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। असहाय मानव की सहायता व जीवदया के प्रेरक, गुणों के सागर, जगत वल्लभ, करूणानिधान, प्रसिद्ध वक्ता पूज्य गुरूदेव जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. के गुणों का जितना गुणानुवाद किया जाए वह कम होगा। उन्होंने भगवान महावीर के जियो ओर जीने दो का संदेश जन-जन तक पहुंचाते हुए जिनशासन की शान बढ़ाई ओर हिसां प्रवृतियों में लीन रहने वालों को भी प्रेरणा देकर अहिंसक बनाया।ऐसे महान गुरू का जीवन सदा हमारा पथ प्रदर्शक रहेगा। ये विचार पूज्य संत रविन्द्रमुनिजी ह्यनीरजह्व ने रविवार को शहर में अजमेर रोड स्थित दिवाकर धाम परिसर में जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. के दीक्षा जयंति के उपलक्ष्य में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। प्रवचन से पूर्व एक घंटे नवकार महामंत्र एवं भक्तामर स्त्रोत का जाप हुआ। पूज्य रविन्द्रमुनिजी ने कहा कि जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. के जीवन में कई ऐसे प्रसंग है जो आज भी जिनशासन की महिमा को प्रस्तुत करते है ओर ये बताते है कि धर्म के प्रति सच्चे आस्थावान श्रावक-श्राविका का हर संकट अवश्य दूर हो जाता है। धर्मसभा में सुश्रावक प्रकाशचन्द्र बाबेल (ब्यावर वाले) ने भजन के माध्यम से जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किए। सभा में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाड़जी मेहता, यश सिद्ध स्वाध्याय भवन के मंत्री मुकेश डांगी, सुश्रावक लक्ष्मीलाल कुकड़ा, अरविन्द झामड़, शकुन्तला बोहरा आदि ने भी गुरूदेव के प्रति आस्था व श्रद्धा का इजहार करते हुए गुणानुवाद किया। अहिंसा भवन शास्त्रीनगर के मंत्री दिनेश मेहता ने पूज्य रविन्द्रमुनिजी से होली चातुर्मास की विनती की। धर्मसभा में शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री सुशीलकुमार चपलोत, अहिंसा भवन श्रीसंघ के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, अशोक पोखरना, हेमंत आंचलिया, दिवाकर धाम के अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहता, गौतम लब्धि कलश के अध्यक्ष अनिल दासोत, विनोद चौधरी, प्रवीण कोठारी, सुरेश सुराणा सहित कई श्रीसंघों के प्रतिनिधि व श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे। धर्मसभा के बाद श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद का लाभ लिया।

नवकार महामंत्र एवं भक्तामर स्त्रोत जाप का आयोजन

गुरूदेव जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. की दीक्षा जयंति के उपलक्ष्य में प्रवचन से पूर्व सुबह 10 से 11 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप एवं भक्तामर स्त्रोत का जाप किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। जाप के माध्यम से सर्व सुख-शांति, प्राणी मात्र के कल्याण की कामना की गई। श्रद्धालुओं ने गुरूदेव के दिखाए मार्ग पर चलते हुए जिनशासन की सेवा एवं धर्म प्रभावना का संकल्प लिया।

निर्यपक मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज का 11 मार्च को होगा मप्र की सीमा में ऐतिहासिक प्रवेश

छतरपुर में 14 मार्च को मंगलप्रवेश की प्रतीक्षा में नगरवासी

राजेश जैन रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

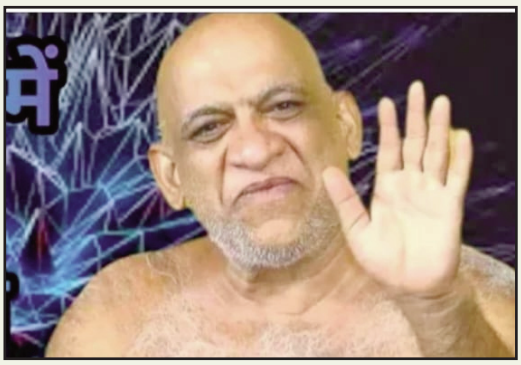

छतरपुर। मध्य प्रदेश की पुण्य धरा पर विख्यात निर्यापक श्रवण मुनिपुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक रत्न 105 श्री गंभीर सागर जी महाराज का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश 11 मार्च को म.प्र. की सीमा में होने जा रहा है। जैन समाज के डा.सुमति प्रकाश जैन एवं जैन समाज के उपाध्यक्ष रीतेश जैन के मुताबिक मुनिश्री का मंगल विहार कानपुर से छतरपुर की ओर विगत 10 दिनों से चल रहा है । अनेक समाजसेवी प्रतिदिन मुनिश्री का आहार और बिहार कराने कानपुर से प्रस्थान के बाद उनके पास पहुंच कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। विश्राम स्थल वाले ग्राम में उनकी प्रश्नोत्तरी सभा में भी सभी स्त्री पुरुष, युवाजन श्रद्धालु अपनी जिज्ञासा का सटीक समाधान पाते हैं। मुनिश्री सुधा सागर जी यूपी के श्रीनगर से कैमाहा बेरियर से होते हुए मध्य प्रदेश की सीमा में 11 मार्च को प्रवेश करेंगे। इस ऐतिहासिक पल को अपनी आँखों में कैद करने के लिये बड़ी संख्या में लोग केमाहा बैरियर पहुचेंगे।कई प्रमुख व्यक्तित्व भी मुनिश्री की आत्मीय आगवानी हेतु केमाहा बैरियर पहुँचेंगे। मुनिश्री सुधा सागर जी रोज लगभग 12 से 15 किलोमीटर पद विहार कर रहे है। जगह जगह विशाल जन समूह मुनिश्री के दर्शन के लिये घंटो इंतजार करता नजर आता है। मुनिश्री जनभावना को ध्यान में रखते हुये सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। मुनिश्री के पद विहार से समूचे क्षेत्र में अत्यधिक धार्मिक प्रभावना का वातावरण निर्मित माहौल हो जाता है।

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल, अजमेर द्वारा घरेलू कामकाजी महिलाओं का सम्मान किया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। घरेलु काम काजी काजी महिलाओं का किया सम्मान व जरूरतमंद कन्या के विवाह में किया सहयोग दिगंबर जैन महासमिति महिला संभाग अजमेर के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में घरेलू काम काजी महिलाओ का दुपट्टा माला साड़ी व उपहार देकर अभिनंदन किया गया। अजमेर संभाग की अध्यक्ष रूपश्री जैन ने बताया कि लगभग 30 घरेलू कामकाजी महिलाओं का सम्मान कर हम अपने आप को हर्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि यह हमारे परिवार की एक सदस्य होती है इनके बिना हमारा काम नहीं चल पाता असली सम्मान की हकदार यह महिलाएं भी है । सचिव अनुभा बाकलीवाल ने दुपट्टा एवम कोषाध्यक्ष सुनीता गंगवाल ने सभी घरेलू कामकाजी महिलाओं का तिलक लगा कर स्वागत किया। इस अवसर पार्षद रुबी जैन व समाज सेविका साधना दनघसिया की गरिमां मय उपस्थिति रही। सभी घरेलू काम काजी महिलाओ का हृदय प्रसन्नता से भर गया ।उन्होंने भी अपने आप को हर्षित महसूस किया। कार्यक्रम का नेतृत्व महा समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो सुशील पाटनी के नेतृत्व में हुआ इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश पाटनी सहित ,प्रकाश गंगवाल, नाथूलाल जैन छोटा धडा अध्यक्ष दिनेश पाटनी प्रकाश पाटनी सेवा निवृत्त डीटीओ व अन्य सदस्य उपस्थित रहे महिला संभाग की सभी सक्रिय सदस्यो ने इन काम काजी महिलाओं का माला इत्यादि पहना कर स्वागत किया जिनमे प्रमुख रूप से पुष्पा पाटनी,रेनू जैन , रेखा जैन,अंजु जैन अरुणळ गदिया, कुसुम जैन शैल जैन नमिता जैन, सुप्रिया सेठी , नीरु जैन, पिंकी जैन, तृप्ति जैन, विमला जैन व अन्य सदस्य रहे इस विशेष अवसर पर एक जरूरतमंद कन्या के विवाह हेतु 300 लोगों के लिए भोजन सामग्री की सहायता हेतु सामान भी प्रदान किया गया।

स्वेच्छिक रक्तदान एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

नोहर । नोहर की अग्रसेन धर्मशाला में रक्तदान शिविर में 226 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। स्व. मुरलीधर सरावगी की 25वीं पुण्यतिथि एवं स्व. सुमित्रा देवी सरावगी की स्मृति में सरावगी परिवार की ओर से रविवार को स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर व निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत स्व. मुरलीधर सरावगी व स्व. सुमित्रा देवी सरावगी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार एवं अग्रवाल सम्मेलन पश्चिमी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के.के. गुप्ता उपस्थित थे। अध्यक्षता अग्रवाल युवा सम्मेलन के प्रदेश मंत्री सुशील सरावगी ने की।

अग्रवाल स्कूल विद्यार्थियों का अल्युमिनि कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल स्कूल के 1981 - 82 बैच के विद्यार्थियों का अल्युमिनि कार्यक्रम स्कूल प्रांगण में संपन्न हुआ । दिनेश बज ने बताया कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से और विदेश से भी उस समय के जो विद्यार्थी आज अलग-अलग जगह पर अपने कार्य में व्यस्त हैं अपने विद्यालय के समय को याद करते हुए आज सभी लोग देश और विदेश से यहां एकत्रित हुए । विद्यालय समय को याद करते हुए प्रार्थना की और सरस्वती जी की पूजा अर्चना की। उस समय के अध्यापकों का सम्मान किया गया। उस समय के अध्यापकों में महंत अलबेली शरण जी महाराज अरोड़ा सर, वर्मा सर, गोयल सर, नंदकिशोर सर व सज्जन सर का सम्मान किया गया इसके पश्चात सभी विद्यार्थी अपनी उस समय की कक्षा में जाकर बैठ और अपने अध्यापकों से आशीर्वचन प्राप्त किया और उस समय को याद किया जब वह इसी विद्यालय की इसी कक्षा में इसी प्रकार से बैठा करते थे । सभी लोगों ने आपस में अपना-अपने परिचय किया अपने परिवार जानकारी अपनी व्यवसाय की जानकारी अपने कार्य क्षेत्र की जानकारी साझा की और आगे मिलने जुलने निरंतर संपर्क बनाए रखने का संकल्प लिया। सभी पूर्व छात्रों ने जो कि देश के विभिन्न शहरों से और विदेश के विभिन्न देशों से इस कार्यक्रम हेतु विशेष रूप से यहां आए थे बहुत उत्साह के साथ में कार्यक्रम में शिरकत की।

जिनागम के ज्ञाता विद्वान, तत्त्वप्रचारक, धर्मानुरागी, सिद्धहस्त एवं आगमनिष्ठ लेखक, बड़े दादा : पंडित रतनचन्द भारिल्ल

राकेश जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

बहुभाग परिवारों में मान-मर्यादा के नाम पर सास-बहू एवं बाप-बेटों के बीच एक निश्चित दूरी बनाकर रखी जाती है, भाई-भाई में भी 36 का आंकड़ा दिखाई देता है, एक - दूसरे से दूरियां ही दिखाई देती हैं। बहुत कम परिवारों में यह देखने को मिलता है - जिस परिवार की तीन-तीन पीढ़ियां एकसाथ बैठकर निःसंकोचभाव से खुलकर मित्रवत बातें करते हों, छोटे-बड़े सभी सदस्य अपने-अपने खट्टे-मीठे अनुभव दिल खोलकर सुनते/सुनाते हों और उन्मुक्त भाव से हंसते/हंसाते हों। जी हां ऐसे घर-परिवार भी है जहाँ ऐसा खुला वातावरण दिखाई देता है, सब परस्पर बेझिझक बातें करते हैं, समय-समय पर पैदा हुआ मतभेद-मनभेदों में नहीं बदलता। एक ऐसा परिवार जहाँ सभी सदस्यों का व्यक्तित्व प्रायः 33 से 63 के अंक के रूप में ही प्रस्फुटित होता रहा है वह परिवार रहा है माँ जिनवाणी के अनन्य सेवक, श्रेष्ठतम श्रावक पंडित रतनचन्द भारिल्ल का। जगत के दंद-फंदों से दूर रहने वाले, अपने काम से काम रखने वाले, अपने में ही मगन रहने वाले एक सीधे-सच्चे इन्सान, लम्बा कद, गौरवर्ण एवं इकहरे बदन की कद काठी,एकदम सादा शुभ्र धोती-कुर्ता में करीने से लिपटी दुबली-पतली, गोरी-भूरी काया, सुनहरा चश्मा, खादी की नोकदार शुभ्र टोपी से सुशोभित मुस्कुराता मुखमण्डल के धनी पण्डित रतनचन्द भारिल्ल का बाह्य व्यक्तित्व इतना ही था कोई तामझाम नहीं था। भारत भूमि के हृदय में स्थित बुन्देलखण्ड की पावन माटी, अनेक मनीषियों की प्रसूता होने का सौभाग्य प्राप्त ऐसी विद्वत्ता प्रसविनी धरा ललितपुर जिले के गाँव बरौदा स्वामी में हरदास जी के यहां श्रीमती पार्वती देवी की कोख से रतनचन्द भारिल्ल का 21 नवम्बर,1932 को जन्म हुआ। इस महामनीषी का बचपन अभावों में बीता। उस समय 'अलफ' और 'बे' के बाद कक्षा एक प्रारम्भ होती थी। रतनचन्द के पिताजी 'कक्का' मुहल्ले के लड़कों को निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा दिया करते थे, इन्हें भी उन्होंने घर पर ही थोड़ा-थोड़ा प्राथमिक अभ्यास करा दिया था। रतनचन्द अपने छोटे भाई हुकमचन्द के साथ तीन मील दूर दूसरे गाँव ननौरा पढ़ने पैदल जाया करते थे। जगत में शायद ही कोई अग्रज और अनुज ऐसे होंगे, जो भाई-भाई कम और सहृदय सखा अधिक लगते हो। रतनचन्द भारिल्ल और डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल दोनों भाई बचपन से ही दो देहों में एक आत्मा जैसे रहे हैं। हुकमचन्द भारिल्ल इनसे ढ़ाई वर्ष छोटे हैं। श्री दिगम्बर जैन विद्यालय, पपौरा में जैन धर्म की शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रवेश लिया। इस विद्यालय में ये पाँच माह ही रहे। जुलाई 1947 में श्री गोपाल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय,मोरेना मध्य प्रदेश में प्रवेश ले लिया। यहाँ 1947 से 1952 तक रहकर शास्त्री द्वितीय वर्ष एवं न्याय मध्यमा तक अध्ययन किया। शास्त्री अन्तिम वर्ष एवं न्यायतीर्थ श्री कुन्दकुन्द जैन विद्यालय राजाखेड़ा से किया। सन् 1954 में ये शास्त्री, न्यायतीर्थ हो गये। माँ की बीमारी को देखते हुए 19 वर्ष की आयु में इनका विवाह हो गया। छठी कक्षा तक पढ़ी इनकी पत्नी कमला उस समय 14 वर्ष की थी। इन्होंने पढ़ाई पूरी कर लगभग दो साल भीलवाड़ा और मुरैना में अध्यापन कार्य किया। आजीविका हेतु ये परिवार सहित बरौदा स्वामी छोड़कर बबीना आ गये। बबीना से अशोकनगर आ गये। अशोकनगर में पहले तो कुछ दिन इन्होंने अपना निजी 'भारिल्ल विद्या मन्दिर' स्कूल चलाया; पर उसमें समय व शक्ति आवश्यकता से अधिक लगने लगी तो उसे बन्द करके वर्धमान मिडिल स्कूल में अध्यापन कार्य किया। इसके बाद कोटा, सोनगढ़, खुराई में काम करने के बाद घर अशोकनगर आ गये। यहां उन्होंने हायर सेकेण्डरी की परीक्षा दी। रतनचन्द भारिल्ल 1962 से 1979 तक 17 वर्ष विदिशा में रहें और अध्यापन का

कार्य किया। इनकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला ने 1964 में प्रौढ़ महिलाओं की प्रगति हेतु बनी शासकीय योजना के अन्तर्गत हायर सैकेण्डरी एवं बी.टी. की ट्रेनिंग भी कर ली। श्रीमती कमला शासकीय सेवा में शिक्षिका के पद पर विदिशा में ही नियुक्ति हो गयी। एक विशेष बात जो इस दम्पत्ति युगल में रही है वो है - सादा व निरभिमान जीवन, नियमों की अस्खलितरूप से पालना एवं अपनी दिनचर्या का नियमित निर्वहन। रतनचन्द भारिल्ल अगस्त 1979 में विदिशा से जयपुर आ गये। जयपुर आने के निर्णय के कारण इनकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला को शासकीय सेवा से त्यागपत्र देना पड़ा। 21 सितम्बर, 1966 को इन्हें पुत्र रत्न बबलू (शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल) की प्राप्ति हुई। उत्तम संस्कारों में पले इनके एक मात्र पुत्र शुद्धात्मप्रकाश को भी इन्होंने अपनी लाइन में ढाला है। शुद्धात्मप्रकाश में भी इनके समान ही अनुशासन, प्रबन्ध कौशल एवं वक्तृत्व शैली है। आत्महित और जनहित - दोनों दृष्टियों से रतनचन्द भारिल्ल के सामर्थ्य और शक्ति का सर्वाधिक सदुपयोग जयपुर में हुआ है। जयपुर में रतनचन्द भारिल्ल श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय के प्राचार्य पद पर आसीन हुए। उनकी साहित्य सृजन यात्रा का प्रारम्भ जयपुर आगमन के बाद जीवन के पाँचवे-छठे दशक में हुआ। महाविद्यालय के सफल संचालन एवं साहित्य सृजन की दृष्टि से बीसवीं सदी के उल्लेखनीय विद्वानों में इनका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। यूँ तो सारी दुनिया धन के फेर में पागल हुई जा रही है, पर कुछ विरले ऐसे हैं, जो यश के फेर में अपने धन संबंधी लोभ को दबाने में सफल हो गये प्रतीत होते हैं; परन्तु बड़े दादा के जीवन व कर्तृत्व में ऐसा कोई भी प्रयत्न किसी भी दृष्टिकोण से परिलक्षित नहीं होता। सकारात्मक कार्य प्रणाली के पोषक पंडित रतनचन्द भारिल्ल नकारात्मक सोच में विश्वास नहीं करते थे। इन्होंने जैनदर्शन के रूखे विषय, जिन्हें पढ़ने में अधिकतर व्यक्तियों को अरुचि होती है,उन आध्यात्मिक विषयों को उपन्यासों एवं कहानियों के माध्यम से ऐसा सरस बना दिया कि वह जैनेतर समाज में भी बड़े चाव से पढ़े जाते हैं। रतनचन्द भारिल्ल के द्वारा लिखित उपन्यास पढ़ने से जीवन में अपने आप सोचने हेतु चिंतन शक्ति का संचार होता है। उनके द्वारा लिखित ग्रन्थों के माध्यम उन्होंने पताशे में कुनेन देने जैसा कार्य किया है। रतनचन्द भारिल्ल में किसी भी गंभीर दार्शनिक विषय को तर्कसंगत एवं अत्यन्त सरल भाषा में प्रस्तुत करने की अद्भुत क्षमता रही है। धर्म के मर्म के ज्ञाता रतनचन्द भारिल्ल ग्रामीण अंचल के मानस के कुशल चितेरे रहे हैं, हृदयस्पर्शी प्रवचनकार रहे हैं। इनकी लिखी पुस्तकें संस्कार, विदाई की बेला, इन भावों का फल क्या होगा, सुखी जीवन ,णमोकार महामंत्र, जिन पूजन रहस्य, पर से कुछ भी सम्बन्ध नहीं,सामान्य श्रावकाचार, शलाका पुरुष पूर्वार्द्ध, शलाका पुरुष उत्तरार्द्ध व हरिवंश कथा उल्लेखनीय हैं। 71 वर्ष की उम्र में 17 मार्च, 2003 को पण्डित रतनचन्द भारिल्ल अपने छोटे भाई डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल 'ओपन हार्ट सर्जरी' के लिए दिल्ली के एस्कॉर्ट अस्पताल में भर्ती हुए। उनके बड़े ऑपरेशन के बाद भी सालभर के अन्दर ही दो-दो बार फिर से अत्यन्त गम्भीर अवस्था तक पहुँचकर अस्पताल आने-जाने का क्रम चालू रहने के बावजूद प्रतिवर्ष नवीन रचनाओं का सृजन व प्रकाशन अन्तिम समय तक बदस्तूर जारी रहा है। जैन दर्शन व साहित्य के बहुश्रुत विद्वान श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय, जयपुर के यशस्वी प्राचार्य, 'जैनपथ प्रदर्शक' पाक्षिक समाचार पत्र के सम्पादक, विख्यात प्रवचनकार, लोकप्रिय लेखक, विशिष्ट मनीषा के धनी पण्डित रतनचन्द भारिल्ल की जैन दर्शन एवं सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं को देखते हुए जयपुर में 16 जनवरी,2005 को उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया एवं अभिनन्दन ग्रन्थ 'रतनदीप' का लोकार्पण भी किया गया। शान्त प्रकृति के आध्यात्मिक रुचि सम्पन्न विद्वान रतनचन्द भारिल्ल चहुँमुखी प्रतिभा के धनी रहे हैं। बालकवत निश्छल छवि इनके मुखमण्डल से स्पष्ट झलकती है। अपने सटीक लेखन, प्रामाणिक प्रवचनों व प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से समाज को सुबोध व सरल शैली में तत्त्व बोध कराते हुए मोक्षमार्ग की ओर प्रवृत्त कराने में पुरानी पीढ़ी के समर्पित व्यक्तियों मे पण्डित रतनचन्द भारिल्ल का नाम बड़े आदर से लिया जाता है। उन्होंने स्वाध्याय और शिक्षण के माध्यम से लोगों को स्व-पर का बोध कराते हुए मिथ्यात्व से सम्यक्त्व की ओर प्रशस्त करने की प्रेरणा प्रदान की है। पण्डित भारिल्ल ने जैनागम का तलस्पर्शी स्वाध्याय - आलोड़न व गम्भीर चिन्तन - मनन कर अपने जीवन में जो अनुभूत किया उसे निर्भीकता और निरपेक्षता के साथ विकीर्ण किया है।जिसका परिणाम है पण्डितजी की हिन्दी, गुजराती, मराठी भाषा में विपुल मात्रा में प्रकाशित अब तक छत्तीस से अधिक मौलिक, सम्पादित एवं अनूदित कृतियाँ। उनके इस विपुल साहित्य सम्पदा में कहीं निबंधात्मक शैली तो कहीं कथात्मक-उपन्यासात्मक और प्रवचनात्मक शैली दिखाई देती हैं। इन कृतियों का पाठक न तो ऊबता-ऊंघता और न थकता-टूटता है अपितु वह उससे ऊर्जा, स्फूर्ति और चेतना पाता है, इतना ही नहीं अभीष्ट पथ का पथिक बनने का वह साहस भी अपने में जुटाता है । न्यायतीर्थ पण्डित प्रवर भारिल्ले की कृतियों में अध्यात्म के स्वर जहाँ गूँजते हैं, वहीं नैतिकता, प्रामाणिकता, जीवन्तता व समसामयिकता भी प्रतिबिम्बित है जो बालकों और युवाओं को दिशाबोध देती है। जितनी सरलता इनके बाहरी जीवन में दिखाई देती थी, आन्तरिक सरलता उससे कहीं अधिक थी। यद्यपि बड़े दादा सामूहिक भोज में भोजन नहीं करते थे, परन्तु समारोहों में पधारकर अपने सामाजिक दायित्व व व्यवहार निभाते थे। सरल स्वभावी, हँसमुख एवं विराट व्यक्तित्व के धनी रतनचन्द भारिल्ल का सारा जीवन तत्त्वचिन्तन, मनन, लेखन प्रवचन आदि ज्ञानवर्धक एवं राग-द्वेष विनाशक सत्कार्यों में ही व्यतीत रहा है। अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग की इससे ज्यादा दूसरी मिसाल और क्या हो सकती है? पण्डित रतनचन्द भारिल्ल ने जयपुर में 12 नवम्बर, 2019 को देह त्याग किया।

राजस्थान जैन ऑर्गनाइजेशन द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

जयपुर। भारतीय जैन मिलन, राजस्थान जैन ऑर्गनाइजेशन,भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवामहासभा जिला जयपुर एवमनवकार किचन एंड इंटीरियर द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न। नवाकर किचन के अनिल - अनिता जैन ने बताया कि इंद्रलोक ऑडिटोरियम भट्टारकजी की नसियां जयपुर में कार्यक्रम भव्य रूप में आयोजित हुआ। RJO के चित्रकला प्रतियोगिता के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवम भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा के अध्यक्ष अनिल अनीता जैन और महासभा के महामंत्री तरुण जैन ने बताया कि कार्यक्रम में करीब 200 प्रतिभागियों को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए । यह प्रतियोगिता निम्न प्रकार से तीन वर्गों में जयपुर एवम जयपुर के आस पास के क्षेत्रों में आयोजित की गई।8 से 13 वर्ष तक के बच्चो में,14 से 21 वर्ष तक के बच्चो में, 22 वर्ष से अधिक युवा एवम युवती में* इसमें इस प्रकार से प्रतिभागियों ने प्रथम द्वितीय एवम तृतीय स्थान प्राप्त किया। अनन्या जैन प्रथम, गगन जैन प्रथम, प्रियंका जैन प्रथम, सुगंधा जैन द्वितीय, वंश जैन द्वितीय, आयुषी जैन द्वितीय, दृष्टा जैन तृतीय,हीरल जैन तृतीय,वृंदा तृतीय स्थान को पुरस्कृत किया।राजस्थान ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष मनीष झांझरी एवम महामंत्री पवन जैन पांडया ने बताया कि कार्यक्रम में 60 मंदिर के सभी कोऑर्डिनेटर को मोमेंटम प्रदान किया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया ।दीपप्रज्ज्वलन दीपक सोनी मंगल चंद एंड संस ज्वैलर्स एवम डॉक्टर राजीव जैन प्रमुख समाजसेवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, शाबाश इंडिया के प्रधान संपादक राकेश गोदीका उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक सुशील कासलीवाल एवम संयोजिका श्रीमती सुनीता जैन ने पूरे कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न करवाया। कार्यक्रम का मंच संचालन मीना चौधरी द्वारा किया गया।

णमोकार महामंत्र का पाठ एवं विद्वत्मिलन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री अ.भा.दिग. जैन विद्वत्परिषद् जयपुर महानगर द्वारा डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन मानसरोवर के निवास पर दि- 10 मार्च 2024 को दोपहर में द्वितीय सामूहिक णमोकार मंत्र का पाठ एवं विद्वत मिलन कार्यक्रम पण्डित परमात्म प्रकाशजी भारिल्ल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। णमोकार मंत्र के पश्चात जयपुर महानगर अध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया ने विद्वत्परिषद् की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं को प्रस्तुत किया। इस पर प्रो.डॉ. गजेन्द्र जैन, डॉ. अरविन्द कुमार जैन, प्रो. अध्यात्म प्रकाश जैन, पण्डित दिनेश जैन देशना, श्रीमती प्रज्ञा जैन आदि ने अपने विचार प्रकट किये। इसके पश्चात महासचिव डॉ. भागचन्द जैन ने परिवार जनों का परिचय एवं सम्मान करवाया। डॉ. नरेन्द्र कुमारजी जैन टोडरमल स्नातक- द्वितीय बैच के वरिष्ठ विद्वान हैं। आप आध्यात्मिक श्रेष्ठ प्रवचनकार हैं। आप केन्द्रीय विद्यालय से व्याख्याता पद से सेवानिवृत्त हैं। श्रीमती निशी जैन डबल एम.ए. धमार्लंकार हैं। पुत्र इंजी. श्री श्रेय जैन हैं, पुत्र बधु श्रीमती निमिता जैन, सुपौत्री लावन्या एवं ख्याति जैन धार्मिक संस्कारी हैं।

पोते के साथ दौड़े दादा, महिलाओं की मटका दौड़

सीकर. कासं। सीकर के लक्ष्मणगढ़ में चल रहे शेखावाटी उत्सव के दूसरे दिन रविवार को 'हेरिटेज वॉक' का आयोजन किया गया। हेरिटेज वॉक को मुरली मनोहर मंदिर से प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हेरिटेज वॉक में लोक-कलाकारों के साथ, स्थानीय स्कूलों, कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय क्रेडिट कोर, स्काउट गाइड, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक संघ सहित आम नागरिकों ने परम्परागत पोशाक में भाग लिया। एसडीएम मोहर सिंह मीणा व अतिथियों ने शेखावाटी उत्सव में प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं व उप विजेताओं को सम्मानित किया। मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम कुसुम, नीलिमा शर्मा, द्वितीय कोमल वर्मा, सोनम कुमारी, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम तमन्ना, पलक, पूनम, अनिता, द्वितीय शोभा, सरिता, सुनीता, प्रियंका, मोनिका, हनी, ऋतु, रहें। मटका दौड़ में प्रथम रुक्सार, द्वितीय प्रियंका, दादा-पोता दौड़ में प्रथम दादा राजेन्द्र, पोता यश, द्वितीय दादा रमजान खिलजी, पोता समर, रस्सा कशी प्रतियोगिता में विजेता ऋषिकुल बीएड कॉलेज, उप विजेता जोधराज मोहनलाल बजाज लक्ष्मणगढ़, वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता दिसनाऊ टीम, उप विजेता जसरासर टीम रहीं।

विद्या-सुधा जैन संस्कार पाठशाला, पद्मावती कॉलोनी ने बहुत कम समय में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्या-सुधा जैन संस्कार पाठशाला, पद्मावती कॉलोनी बहुत ही कम समय मे जयपुर की श्रेष्ठ पाठशाला बनकर उभरी है । जहां प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाली इस पाठशाला मे लगभग 40 बच्चे सम्मिलित हो रहे है। मन्दिर से जुड़े 35 परिवार है जिसमे हर घर से बच्चे आते है । कॉलोनी के मन्दिर को बने अभी 3 साल भी नही हुए है फिर भी कमेटी के सहयोग और समाज की महिलाओ की कड़ी मेहनत ने ये मुकाम हासिल किया है । पाठशाला का निर्देशन पंडित राहुल शास्त्री कर रहे है। मन्दिर समिति के डा. सुनील एव डा.अरुण अपना पूर्ण सहयोग निरंतर प्रदान कर रहे है ।